[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1316 F

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : UGCF, BA (H)

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किसी **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

(i) एवं समतिक्रामत्सु केषुचिद दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेकं चिकीर्षुः प्रतीहारानुपकरणसंभारसंग्रहार्थमादिदेश। समुपस्थितयौवराज्याभिषेकं च तं कदाचिद् दर्शनार्थमागतमारूढविनयमपि विनीततरमिच्छञ्शुकनासः सविस्तरमुवाच। तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्तिष।

(ii) अशिशिरोपचारहार्योऽवतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषयो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचवध्यो बलवान् रागमलावलेपः। अजस्त्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिद्रा भवतीति विस्तरेणाभिधीयसे। गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वंचेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा।

(iii) तस्मिन् पूज्यमाने, "योगिराडुत्थित" इति, "आयात" इति च आकर्ण्य कर्णपरम्परया बहवो जनाः परितः स्थिताः। सुघटितं शरीरम्, सान्द्रां जटाम्, विशालान्यङ्गानि अङ्गारप्रतिमे नयने, मधुरां गम्भीरां च वाचवर्णयन्तश्चकिता इव सञ्जाताः।

(iv) अरुणएषप्रकाशः पूर्वस्यांभगवतोमरीचिमालिनः। एषभगवान्मणिराकाश-मण्डलस्य, चक्रवर्तीखेचरचक्रस्य, कुण्डल-मारवण्डलदिशः, दीपकोब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान्पुण्डरीकपटलस्य, शोक-विमोकः कोक-लोकस्य, अवलम्बोरोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्चदिनस्य।

(v) 'तात, क एष बालः को वा भवान्, कथं चेयमापदापत्रा' इति। सोऽश्रु-गद्दमगदत्-श्रूयतां महाभाग! विदर्भो नाम जनपदः। तस्मिन् भोज-वंशभूषणम्, अंशावतार इव धर्मस्य, अतिसत्त्वः, सत्यवादी, वदान्यः, विनीत, विनेता प्रजानाम्, रञ्जितभृत्यः, कीर्तिमान्, उत्थानशीलः, शास्त्रप्रमाणः, शक्यभव्य-कल्पारम्भी संभावयिता बुधान्, प्रभावयिता सेवकान्, उद्भावयिता बन्धून्, न्यग्भावयिता शत्रून्....।

(vi) एतदाकर्ण्य 'स्थानएवगुरुभिरनुशिष्टम्। तथाक्रियते' इत्यन्तः पुरमविशत्। तां च वार्तां पार्थिवेनप्रमदासंनिधौप्रसङ्गेनोदीरितामुप-निशम्यसमीपोपविष्टश्चित्तानुवृत्तिकुशलः, प्रसादवित्तो गीतनृत्यवाद्या-

P.T.O.

दिष्वबाह्योबाह्यगारीपरायण:, पटुरयन्त्रितमुखो, बहुभङ्गिविशारद:, परिवादरुचि:, पैशुन्यपण्डित:, सचिवमण्डलादप्युत्कोचहारी, सकलदुर्नयोपाध्याय:, कामतलन्त्रकर्णधार:, कुमारसेवकोविकटभद्रो- नामस्मितपूर्व व्यज्ञापयत् ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

Explain any **two** of the following with reference to the context :

(i) तत्क्षणमेव च "कुत इदम्? किमिदमिति दृश्यतां ज्ञायताम्" इत्यादिश्य छात्रेषु विसृष्टेषु, क्षणानन्तरं छात्रेणैकेन भयभीता सवेगमत्युष्णं दीर्घ निःश्वसती, मृगीव व्याघ्राऽऽघ्राता, अश्रुप्रवाहैः स्नाता, सवेपथुः कन्यकैका अङ्के निधाय समानीता । चिरान्वेषणेनापि च तस्याः सहचरी सहचरो वा न प्राप्तः ।

(ii) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका । नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्या- स्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः । नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु । भवादृशा एव भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम् ।

(iii) अभिजातमहिमिव लङ्घयति । शूरं कण्टकमिव परिहरति । दातारं दुःस्वप्नम् इव न स्मरति । विनीतंपातकिनमिवनोपसर्पति । मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति । परस्परविरुद्धश्चेन्द्रजालमिवदर्शयन्तीप्रकटयतिजगतिनिजंचरितम् । तथाहि – सततम् ऊष्माणम् आरोपयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति ।

(iv) दिव्यं हि चनक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रकृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः । तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेषवसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागम्य दण्डनीतिं कुलविद्याम् तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिरस्खलित – शासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति ।

3. बाणभट्ट के जीवन और उनकी कृतियों का वर्णन कीजिए । (11)

Describe the life and works of Banbhatta.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरूपदेश के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the significance of Guru-Updesha on the basis of Shuknasopadesha.

4. शिवराजविजय एक ऐतिहासिक उपन्यास है सिद्ध कीजिए। (11)

Prove that Shivrajavijaya is a historical novel.

अथवा / OR

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर गौरबटु एवं श्यामबटु के स्वरूप एवं उनके मध्य होनेवाले संवाद का वर्णन कीजिए।

Describe the character of Gaurbatu and Shyambatu and the dialogue between them on the basis of First canto of Shivrajavijaya.

5. दण्डीकी गद्य शैली की विवेचना कीजिए। (11)

Describe Dandi's Prose style.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर राजा की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

Describe the routine of the king on the basis of Vishrutcharitam.

P2

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1339 **F**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. रामायणकालीन समाज एक आदर्श समाज था - समीक्षा कीजिए। (15)

The Society of the Ramayana age was an ideal society.

अथवा / OR

रामायणाधारित प्रमुख संस्कृत महाकाव्यों का परिचय दीजिये।

Give an introduction of important Sanskrit epics based on the Ramayana.

2. भारतीय ज्ञानपरम्परा में महाभारत का स्थान निर्धारित कीजिए। (15)

Discuss the position of the Mahabharata in Indian Knowledge Tradition.

अथवा / OR

महाभारत में वर्णित जीवनपरक मूल्यों का निरूपण कीजिए।

Analyses the life related values as described in the Mahabharata.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिये : (2×6=12)

Translate any **two** of the following :

(i) अच्छेद्योऽयमदाह्योऽमक्लेद्योऽशोष्य एव च।
नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः ।।

(ii) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वाभविता वा न भूयः ।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ।।

(iii) सत्यमेवानृशंसं च राजवृत्तं सनातनम् ।
तस्मात्सत्यात्मकं राज्यं सत्ये लोकः प्रतिष्ठितः ।।

(iv) सत्यमेवेश्वरो लोके सत्यं पद्मा श्रिता सदा ।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×9=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ।।

(ii) अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम् ।
विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित्कर्तुमर्हति ।।

(iii) कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनाम ।
चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाऽशुचिम् ।।

(iv) भूमिः कीर्तियशो लक्ष्मीः पुरुषं प्रार्थयन्ति हि ।
स्वर्गस्थं चानुपश्यन्ति सत्यमेव भजेत तत् ।।

20/07/23 Library

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write notes of any **three** of the following :

(i) अद्भुत रामायण

(Adbhuta Ramayana)

(ii) अध्यात्म रामायण

(AdhyatmaRamayana)

(iii) रामायणकालीन शासन व्यवस्था

(Administrative system in the Ramayana Period)

(iv) महाभारताधारित संस्कृत महाकाव्य

(Sanskrit Epics based on the Mahabharata)

(v) गीता

(Gita)

(vi) महाभारताधारित भारतीय भाषाओं का साहित्य

(Literature of Indian Language based on the Mahabharata)

P3

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3996 **E**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित पद्यों में से **किन्हीं 4** का अनुवाद कीजिए :- (4×5=20)

Translate any **Four** of the following verses :–

(क) आ दक्षिणाब्धिप्रसरं सुमेरोर्मूर्ध्नो धरां व्याप्य समुल्लसन्तम् ।
अब्धि त्रिवेणी प्रणताङ्घ्रिमूलं वन्दामहे भारतवर्षविष्णुम् ।।

(ख) अज्ञान-भस्मावरणानि धूत्वा मनः स्थितां चेतयत स्फुल्लिङ्गान् ।
उद्दीपित-स्वत्व-कृशानुनाऽऽशुभस्मीकुरुध्वं दृढ-रूढ-रूढीः ।।

(ग) अन्तर्दधाति वसुधा कनकादिवित्त सर्वं तदेव निहितं प्रसवाय तस्याः ।
लुब्धास्तथापि धनिकाः खलवृत्तिवश्या दैन्यं नयन्ति हि जनं बलकूटरिक्तं ।।

(घ) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति ।
क्रमशोबृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपिमुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते ।

निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ।।

सत्कार्येषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।

स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ।।

(ङ) वद वेदगिरां गुरुता क्व गता

क्व तथागत वाक्करुणापहता

इतिहासगता तव नैतिकता

परिहासकथेव वृथा भविता ।।

(च) गतिविकला विज्ञान-विजडिता

सन्त्रस्ता रोदिति मानवता,

निर्मिति-बीजं भूमौवपत्,

सौख्यं स्वयं फलिष्यति रे ।।

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 की व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain any **Three** of the following :–

(क) वैदेशिकव्याधशिलीमुखेषु लाजप्रवर्षेष्विव संचरन्तः ।

राष्ट्रं निजं ये पिपुरत्यमीभ्यो नमो नमो वीरवृषाकपिभ्यः ।।

P.T.O.

अथवा / Or

शतपर्विका कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए ।

Give an analysis of the social Message as described in *Shataparvika* story.

4. 'ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते' काव्य की समीक्षा कीजिए । (10)

Give a review of either *'Bruhi kosmin yuge kalidasayate'* **or** *'Dhivargitih'*.

अथवा / Or

आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए ।

Present a survey of important writers of Modern Sanskrit Literature.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित **किन्हीं 4** पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । (4×1=4)

Write grammatical notes on **any four** underline words in Question no. **1** and **2**.

P.T.O.

6. क एते इस गजल का अभिप्राय संस्कृत भाषा में लिखिए। (7)

Write the meaning of the Ghazal क एते in Sanskrit language.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4017 **E**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **Five** among the following but Question No. **7** is compulsory.
4. Each question carries equal marks. (15×5=75)

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. किन्हीं **पांच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए किन्तु प्रश्न संख्या **सात** अनिवार्य है।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं। (15×5=75)

1. वैदिक तथा ग्रीक व रोम के देवकुल की समानताओं का निर्देश कीजिए। (15)

Discuss the similarities between Vedic and Greco-Roman gods on the other.

2. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में उपनिषदों व सूफ़ीवाद के संबंध की विवेचना कीजिये। (15)

Discuss the relation between the Upanishads and Sufism in the context of Dara Shikoh's translation of the Upanishads.

3. गीता के दर्शन ने यूरोप के कुछ अग्रणी चिंतकों व कवियों को कैसे प्रभावित किया है? (15)

How has the philosophy of the Gita influenced some leading philosophers and poets of Europe?

4. पंचतन्त्र के पश्चिम एशियाई अनुवादों का परिचय देकर पंचतन्त्र की मध्यएशिया से यूरोप तक की यात्रा का निरुपण कीजिए। (15)

Discuss the west Asian versions of the Pañcatantra & describe its journey into Europe.

5. संस्कृत साहित्य व संस्कृति के प्रति श्रद्धा व तिरस्कार दोनों दृष्टियाँ यूरोप में रही है। विवेचन कीजिए। (15)

Europe has shown both contempt & appreciation for Sanskrit literature & culture. Discuss.

6. रामायण और महाभारत ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के जीवन व संस्कृति को कैसे प्रभावित किया? (15)

Describe how the Ramayana and the Mahabharata have influenced life and culture in South East Asian countries?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×7.5=15)

Write note on any **two** of the following :

(क) कालिदास की कृतियों का पाश्चात रंगमंच पर प्रभाव, टिप्पणी लिखिए।

Write a note on the impact of Kalidas's works on later theatre.

(ख) ब्रिटेन में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Sanskrit studies in the Britain.

(ग) यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए।

Write a note on The propagation of the Gita in Europe.

5

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3522 **E**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : **B.A. (H) Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – क / Section–A

1. आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय देते हुए भारतीय दर्शन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए । (6)

Giving a general introduction to the Orthodox Schools of Philosophy, explain the purpose of Indian philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवादी विचार के रूप में मध्वाचार्य के दर्शन का वर्णन कीजिए ।

Describe the Philosophy of Madhavacharya as a dualistic system of thought.

2. कार्यकारण विषयक विवर्तवाद एवं आरम्भवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए । (6)

Describe the cause and effect doctrines of Vivartavāda and Ārṃbhavāda.

अथवा / OR

कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का वर्णन कीजिए ।

Describe the Sankhya doctrine of cause and effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5 + 4.5)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) परिणामवाद (Idealism)

(ii) यथार्थवाद (Realism)

(iii) एकतत्त्ववाद (Monism)

भाग – ख / Section–B

4. पदार्थ की परिभाषा देते हुए द्रव्य के भेदों का विवेचन कीजिए। (7)

Define Padārtha and discuss the types of Dravya the Substance.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार विशेष एवं अभाव पदार्थ का वर्णन कीजिए।

Describe the Categories of Viṣeśa and abhāva according to Tarkasaṃgraha.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any **two** of the following :

(i) परमपरं चेति द्विविधं सामान्यम्।

(ii) चलनात्मकं कर्म:।

(iii) नित्यसम्बन्ध: समवाय:।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Write a note on any **two** of the following :

(i) आकाश (ākāṣa)

(ii) आत्मा (ātmā)

(iii) समवायि - असमवायि कारण (samavāyi-asamavāyikāraṅa)

(iv) यथार्थानुभव (yathārthānubhava)

भाग – ग / Section–C

7. 'अनुमितिकरणमनुमानम्' इस कथन के आधार पर अनुमान-प्रमाण का विवेचन कीजिए।

Discuss the means of inference on the basis of the statement 'अनुमितिकरणमनुमानम्'.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the types of hetvābhāsa according to Tarkasaṃgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any **two** of the following :

(i) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

(ii) आप्तवाक्यं शब्दः।

(iii) सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्जानम्।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम्।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write a note on any **two** of the following :

(i) पक्ष-सपक्ष-विपक्ष

(ii) केवलान्वयि-केवलव्यतिरेकि

(iii) अयथार्थ अनुभव

(iv) व्याप्ति

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3668 **E**

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : **B.A. (H) Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग – 'क'

(Part-A)

1. तृतीया विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (4)

Explain the rules of तृतीया विभक्ति with examples.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following sutras :

चतुर्थी सम्प्रदाने, आधारोऽधिकरणम्, ध्रुवमपायेऽपादानम्, प्रातिपदिकार्थ-लिङ्गपरिमाणवचनमात्रे **प्रथमा**

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : (4)

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences :

(i) अर्जुनः कर्णाय अलम् अस्ति ।

(ii) परिश्रमस्य फलं सुखं भवति ।

(iii) मातापित्रोः चरणेषु स्वर्गः भवति ।

(iv) वामनः बलिं वसुधां याचते ।

(v) राज्ञः चौरः निलीयते ।

(vi) शिष्यः गुरुं प्रश्नं पृच्छति ।

(vii) अन्नस्य हेतोः वसति ।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें । (8)

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा / Or

क्त्वा एवं तुमुन् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples क्त्वा and तुमुन् suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में वाच्य परिवर्तन कीजिए : (5)

Change the voice in any **five** of the following :

(i) मोहनः गृहं गच्छति।

(ii) वयं चलचित्र पश्यामः।

(iii) ते क्षेत्रं कर्षन्ति।

(iv) सः गां दुग्धं दोग्धि।

(v) त्वया मया तैः च हस्यते।

(vi) सः पित्रा सह आपणं गतवान् ।

(vii) गोपालः गीतं गायति ।

(viii) देवैः आशीर्वादाः दीयन्ते ।

भाग – 'ख'

(Part-B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** वाक्यों का **संस्कृत** भाषा में अनुवाद कीजिए : (7)

Translate in Sanskrit Language any **seven** sentence of the following :

(i) पिता पुत्र पर क्रोध करते हैं ।

Father is angry with son.

(ii) राक्षस देवताओं से ईर्ष्या करते थे ।

Demons envy Gods.

(iii) शुभकर्म करने वालों को नमस्कार हो।

Greetings to good doers.

(iv) छात्रों का कल्याण हो।

Students should be blessed.

(v) हाय राम! यह क्या हो गया ?

Hey Ram! What happened?

(vi) वह गाँव की ओर जाता है।

He goes towards village.

(vii) माता गृहकार्य में कुशल है।

Mother is expert in household chores.

(viii) घर के नीचे जल है।

There is water beneath the house.

(ix) वृक्षों के ऊपर कौवे बैठे हैं।

Crows are sitting on the trees.

(x) हम दोनों तुम दोनों को देखते हैं।

We both are looking you both.

(xi) माँ बच्चे से प्यार करती है।

Mother loves the child.

6. निम्न में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : (8)

Translate any one of the following paragraphs into Hindi or into English :

अनुशासनस्य व्यवस्थाकारणेन स्थाने-स्थाने अवरोधात् अनेकशः किलोमीटरपर्यन्तं भ्रमित्वा एव जनाः संगमतटे अधिगच्छन्ति। अतः ते अतीव श्रान्ताः भूत्वा अपि भक्तिभावयुक्ताः भवन्ति। अतः दूरमपि स्थानं

तान् न क्लेशयति । पवित्रतमानां गंगा-यमुना-सरस्वतीनां नदीनां संगमे नौकाभिः गत्वा जनाः स्नान्ति मार्जनं कुर्वन्ति, देवजनानां पितृजनानाञ्च तर्पणं पूजनञ्चापि कुर्वन्ति । पुनः नौकाभिः एव अतिदूरं भ्रमणं कृत्वा ते पुनः तटम् आगच्छन्ति । सङ्गमतटे ये जनाः स्वजनेभ्यः च्युताः भवन्ति तेषां मेलनाय अपि अति उत्तमा व्यवस्था वर्तते । निरन्तरं ध्वनिप्रसारकयन्त्रेण तेषां कृते घोषणा क्रियते, परिणामतः तेषां स्वजनाः तत्र गत्वा तान् मिलित्वा नयन्ति । तत्र स्वच्छतायाः सुरक्षायाश्च व्यवस्था अप्रतिमा वर्तते । कुत्रचिदपि अस्वच्छता, चौर्यम् अन्ये चापराधाः न दृश्यन्ते। जनाः सम्यक्तया तीर्थयात्रां कृत्वा प्रसन्नतया सन्तुष्टाः च भूत्वा स्वगृहाणि गच्छन्ति । अतः कुम्भमहापर्वणि एतादृशीं सुव्यवस्थां कारयित्रे सर्वकाराय साधुवादाः भवन्तु ।

अथवा / Or

प्रातःकालः अतीव मधुरः कालः भवति। यदा स्वच्छे आकाशे सूर्यः उदेति तदा अन्धकारः दूरं गच्छति । सर्वत्र प्रकाशः एवं प्रकाशः भवति । पक्षिणः यत्र-तत्र भ्रमन्ति । मधुरेण स्वरेण मधुरं गीतं गायन्ति । सरोवरेषु कमलानि उद्यानेषु च विभिन्नानि पुष्पाणि विकसन्ति । तेषु भ्रमराः सानन्दं विचरन्ति । शीतलः वायुः वहति । सम्पूर्ण वातावरण सुगन्धमयं भवति । भ्रमणशीलाः

प्रसन्नाः जनाः उद्यानेषु भ्रमन्ति । केचन तत्रैव व्यायाम कुर्वन्ति । अनेके बालाः अपि उद्यानेषु यत्र-तत्र धावन्ति क्रीडन्ति च । ते अतीव प्रसन्नाः सन्ति । पशवः अपि प्रसन्नाः भवन्ति । वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति । कुक्कुराः क्रीडन्ति, हरिणाः धावन्ति, विडालाः च दुग्धः पिबन्ति । अधुना सर्वे जनाः स्वकार्येषु संलग्नाः भविष्यन्ति । एषा सुखदायिनी प्रभातवेला जनान् कर्तव्यस्य पाठं पाठयति । धन्या एषा प्रभातवेला ।

7. 'पर्यावरणः समस्या एवं समाधान' विषय को संवाद के माध्यम से संस्कृत भाषा में लिखिए । (6)

Write the topic 'Environment: Problem and Solution' in Sanskrit language through dialogue.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए :

Correct any **six** of the following :

(i) असुराः देवेभ्य ईर्ष्यति ।

(ii) एतं प्रश्न तं छात्रात् पृच्छ ।

(iii) दश पुस्तकम् अस्ति ।

(iv) ग्रामस्य निकषा वनम् अस्ति ।

(v) अन्नेन पौष्टिकता आगच्छन्ति ।

(vi) नगरे अजां नेष्यति ।

(vii) मातुः स्पर्शः बालकस्य वरदानस्य भवति ।

(viii) त्वं फलानि खादितम् ।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (6)

Fill up the blanks of any **six** of the following with suitable suffixes :

(i) मया भोजनं ..... (खाद्+क्त) ।

(ii) ..... (गम् + शतृ) बालकं पश्य ।

(iii) ते जनाः दुग्धं ..... (पा + क्त्वा) गच्छन्ति ।

(iv) रामः ..... (पठ् - क्त्वा) गृहं गच्छति ।

(v) शिष्यः प्रश्नं ..... (प्रच्छ् + तुमुन) वाञ्छति ।

(vi) अहं कार्यं ..... (कृ + तुमुन्) इच्छामि ।

(vii) त्वया ..... (हस् + अनीयर्) ।

(viii) ईश्वरः जगतः ..... (सम् + हृ + तृच्) अस्ति ।

भाग – 'ग'

(Part-C)

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : (15)

Write an essay on the following topics :

संस्कृतभाषाया **महत्त्वम्**, वेदानाम् **महत्त्वम्**, भारवेरर्थ गौरवम्, रामायणम्

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु-निबन्ध लिखिए :

(10)

Write an essay on the following topics :

संगणकस्य महत्त्वम्, कोरोना, पर्यावरणसंरक्षणम्, नारीशक्तिः

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2146 **F**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. उपनिषद् शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए एवं उपनिषद् के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए । (15)

Explain the word meaning of Upaniṣad and describe the subject matter of Upaniṣad.

अथवा / OR

उपनिषद्दर्शन का विवेचन कीजिए ।

Discuss the philosophy of Upaniṣads.

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कर्म

(Karma)

(ii) सत्य

(Satya)

(iii) आत्मन्

(Ātman)

3. गीता का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

Give a general overview of the Gītā.

अथवा / OR

गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Shed light on the significance of the Gītā.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) ज्ञानयोग

(Gyānyoga)

(ii) भक्तियोग

(Bhaktiyoga)

(iii) कर्मयोग

(Karmayoga)

8

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

F

Sr. No. of Question Paper : 2196

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. ईशावास्योपनिषद् का परिचय दीजिए। (15)

Please provide an introduction to the Īśāvāsyopaniṣad.

अथवा / OR

ईशावास्योपनिषद् में वर्णित विद्या एवं अविद्या के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the importance of Vidyā and Avidyā cited in Īśāvāsyopaniṣad.

2. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कर्मसिद्धान्त

(The Doctrine of Karma)

(ii) ईश्वर

(Īśavara)

(iii) संभूति

(Sambhūti)

3. गीता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। (15)

Clarify the purpose of the Gītā.

अथवा / OR

गीता की प्रमुख शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

Illuminate the main teachings of the Gītā.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** :

(i) समत्वबुद्धि

(equanimity-samatvabuddhi)

(ii) मोक्ष

(Moksha)

(iii) कर्मयोग

(Karmayoga)

P9.

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper	:	**3390**	**E**
Unique Paper Code	:	62021201	
Name of the Paper	:	Mahayana Buddhism : Continuity and Change	
Name of the Course	:	**B.A. (CBCS Prog.). Buddhist Studies/Core/23**	
Semester	:	II (Students admitted after the year 2019)	

Duration : 3 Hours
समय : 3 घंटे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Five** questions in all.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. Throw light on the Socio-Political structure of India during the Origin of Mahayana Buddhism.
महायान बौद्ध धर्म के विकास के समय भारत की सामाजिक–राजनैतिक व्यवस्था पर प्रकाश डालें।।

2. Write in detail the biographical account of Sakyamuni Buddha.
शाक्यमुनि बुद्ध की जीवनी का विस्तृत विवरण दीजिए ।

3. Present the relevant archaeological sources related to the life of Sakyamuni Buddha.
शाक्यमुनि बुद्ध की जीवनी से संबंधित प्रासंगिक पुरातात्विक स्रोतों को दर्शायें।

4. Give a general background of the religious aspect of India before the origin of Mahayana Buddhism.
महायान बौद्ध–धर्म के उद्भव के पूर्व भारत की धार्मिक स्थिति को दर्शाएं।

5. Write an essay on any two basic teachings of the Buddha.
बुद्ध के दो बुनियादी शिक्षाओं पर निबंध लिखें।

6. Explain how the Four Noble Truths lay the foundation of Buddha's teachings.
चार आर्य–सत्यों ने बुद्ध की शिक्षाओं की किस प्रकार आधारशिला रखी? समझाएं।

7. Explain the role of the First and the Second Buddhist Council in preservation of Buddha's teachings.
बुद्ध की शिक्षाओं के संरक्षण में प्रथम एवं द्वितीय बौद्ध संगीतियों की भूमिका को समझाएं।

8. Write a note on the Third Buddhist Council or the Fourth Buddhist Council.
तीसरी बौद्ध संगीति अथवा चतुर्थ बौद्ध संगीति पर एक टिप्पणी लिखें।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4072 **E**

Unique Paper Code : 72132801

Name of the Paper : Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A.**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का अनुवाद कीजिए : (5×4=20)

Translate any **four** of the following :

(i) अजरामरत् प्राज्ञो विद्यामर्थं च चिन्तयेत् ।
गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत् ।।

(ii) विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् ।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम् ।।

(iii) यौवनं धनसंपत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता ।
एकैकमप्यनर्थाय किमु यत्र चतुष्टयम् ।।

(iv) यस्मिन्देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवः ।
न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासं तत्र न कारयेत् ।।

(v) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः ।
सर्पो दशति काले तु दुर्जनस्तु पदे पदे ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या कीजिए : (8×3=24)

Describe any **three** of the following :

(i) अनेकसंशयोच्छेदि परोक्षार्थस्य दर्शकम् ।
सर्वस्य लोचनं शास्त्रं यस्य नास्त्यन्ध एव सः ।।

(ii) उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

(iii) रूपयौवनसंपन्ना विशालकुलसम्भवाः ।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः ।।

(iv) यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवं परिसेवते ।
ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति अध्रुवं नष्टमेव हि ।।

3. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए । (10×1=10)

Highlight the origin and development of Sanskrit Gadya Kavya.

अथवा (Or),

नीति कथा साहित्य का उद्भव और विकास स्पष्ट कीजिए ।

Explain the origin and development of Nitikatha Sahitya.

P.T.O.

4. सुबन्धु का विस्तृत परिचय दीजिए। (10×1=10)

Give the detailed introduction of Subandhu.

अथवा (Or)

दण्डी का विस्तृत परिचय दीजिए।

Give the detailed introduction of Dandi.

5. प्रश्न संख्या **एक** तथा प्रश्न संख्या **दो** में से किन्हीं **चार** रेखांकित पदों को व्याकरणिक दृष्टि से स्पष्ट कीजिए। (4×1=4)

Clarify grammatically any **four** underlined words in question number one and question number two.

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में संक्षिसत टिप्पणी लिखिए : (7×1=7)

Briefly describe any one of the following in **Sanskrit** :

बाण, अम्बिकादत्त व्यास

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3259 **E**

Unique Paper Code : 6213801

Name of the Paper : Sanskrit as MIL C 2-Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (Programme) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) **निम्न पाँच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific forms of any **five** of the following words :

(i) रमा - प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(ii) मधु - प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(iii) राम - प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(iv) गुरु - द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(v) वारि - द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(vi) पयस् - सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(vii) यत् - पँचमी विभक्ति, द्विवचन

(viii) तत् - द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ix) कुमारी - तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(x) दश - चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ख) निम्न किन्हीं **पाँच** पदों का विभक्ति तथा वचन पहचान कीजिए : (5×1=5)

Identify the विभक्ति and वचन of any **five** of the following :

(i) रामाः

(ii) वाचि

(iii) रमया

(iv) आत्मनि

(v) मातरम्

(vi) आत्मा

(vii) मुनये

(viii) अहम्

(ix) यूयम्

(x) तिस्रः

(ग) निम्न में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific forms of any **five** of the following verbs :

(i) श्रु- लङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(ii) भू- लट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन

(iii) कृ- लट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन

(iv) पठ्- लोट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

(v) अस्- विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(vi) नृत्- लोट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन

(vii) श्रु- लृट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

(viii) पच्- लोट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

(ix) भू- लङ् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(x) कृ- लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(घ) निम्न किन्हीं **पाँच** पदों का लकार, पुरुष तथा वचन पहचान कीजिए : (5×1=5)

Identify the लकार, पुरुष and वचन of any **five** of the following :

श्रृणोत्, भव, भवेयम्, भविष्यामः, पचथ, नृत्यन्तु, करवाणि, अकरोत्, पठानि, स्तः

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में सन्धि कीजिए : (5×2=10)

Join sandhis in any **five** of the following :

भूप + इन्द्रः, ने + अनम्, गै + अकः, देवो + अत्र, जन + औषधिः, वधू + उत्सवः, जगत् + ईशः, तत् + च, गिरि + ईशः

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Split sandhis in any **five** of the following :

सदाचारः, देवेशः, देवासनम्, नरेन्द्रः, देवैकत्वम्, वायोऽपि, वागीशः, तन्मयम्, धात्रंशः, रामश्शेते

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **एक** पर टिप्पणी कीजिए : (1×5=5)

Comment on any **One** of the following :

सत्व, रुत्व

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : (2×5=10)

Comment on any **two** of the following :

अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** समस्तपदों का विग्रह कीजिए :

Split Compound in any **five** of the following words :

यथाशक्ति, राजपुत्रः, अधिहरि, यथाशक्ति, उपनगरम्, दशाननः, रामश्यामौ, गोहितम्

4. कारक किसे कहते हैं? किसी एक कारक को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (10)

What is a Case? Explain with examples of any one Case.

अथवा / Or

निम्न किन्हीं **पाँच** वाक्यों में विभक्ति पहचान कीजिए :

Identify the inflection in any **five** of the following sentences :

(i) सज्जनेभ्यो नमः

(ii) वृक्षात् शाखा पतति ।

(iii) पितरं वन्दे ।

(iv) वृकात् बिभेति ।

(v) मित्रेण सह आगच्छति ।

(vi) धर्मं विना ।

(vii) विद्यालयं सर्वतः वृक्षाः सन्ति ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का प्रकृति प्रत्यय जोड़कर शब्द निर्माण कीजिए : (5×2=10)

Write down the root and suffix of any **five** of the following words :

धा + तव्यत्, कृ + अनीयर्, पा + क्त, गम् + क्तवतु, पठ् + क्त्वा, नम् + तुमुन्, क्रीड् + शतृ, आगम् + ल्यप्, श्रु + क्त्वा, शी + शानच्

अथवा / Or

निम्न किन्हीं **पाँच** पदों का विभक्ति तथा वचन पहचान कीजिए :

Identify the विभक्ति and वचन of any **five** of the following :

मननीयम्, हार्यम्, गेयम्, दृष्टम्, पचमानः, हन्तुम्, भिन्नः, प्रणम्य, उक्त्वा, इष्टवान्

12

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3471 **E**

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (PROG.)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain with example any **five** sutras of the following :

हलन्त्यम्, उच्चैरुदात्तः, आदुणः, उरण् रपरः, ष्टुना ष्टुः, विसर्जनीयस्य सः, साधकतमं करणम्, षष्ठी शेषे

2. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पाँच** पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए : (5×5=25)

Quoting the relevant sutras, give formation any **five** of the following :

सुध्युपास्यः, नै + अकः, एतत् + मुरारिः, वाक् + ईशः, शिवो वन्द्यः, रामस् + च, विष्णुस्त्रातः, दैत्यारिः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की परिभाषा दीजिए : (5×2=10)

Define any **two** technical terms of the following :

वृद्धि, अधिकरण, पद, अपादान

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (5×1=5)

Correct any **five** sentences of the following :

(i) रुद्रम् नमः ।

(ii) वृक्षेण फलं पतति ।

(iii) परमेश्वराय वन्दे ।

(iv) सिंहेन बिभेति ।

(v) कटम् आस्ते ।

(vi) कवये कालिदासः श्रेष्ठः ।

(vii) भूते बलिः ।

(viii) अलं विवादस्य ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** शब्दों का समास अथवा समासविग्रह कीजिए - (4×2.5=10)

Make any **five** compound or dissolute of compounds from the following words :

अधिहरि, कृष्ण श्रितः, राजपुरुषः, माता च पिता च, हरित्रातः, पीतम् अम्बरं यस्य सः, पाणिपादम्, चोरभयम्

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3408 **E**

Unique Paper Code : 62024411

Name of the Paper : Introduction to Tibetan and Chinese Buddhism

Name of the Course : **B.A. (CBCS Prog.) Buddhist Studies**

Semester/Annual : IV [Students admitted before year 2019]

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All questions** carry equal marks
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी प्रश्नों** के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write a descriptive account on the Early History of Buddhism in Tibet.

तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रारम्भिक इतिहास का विस्तृत वृतांत लिखिए।

2. Who was Padmasambhava? Explain his contribution to the establishment of the Buddhist Sangha in Tibet.

पद्मसम्भव कौन थे ? तिब्बत में बौद्ध संघ की स्थापना में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

3. Describe the reasons of the survival of Buddhism in the Himalayan Regions.

हिमालय क्षेत्र में बौद्ध धर्म की जीवितता के कारणों का वर्णन कीजिए।

4. Enumerate the formation of Tibetan Canon as Kangyur and Tangyur? Name some of the Tibetan texts comes under them.

कंजूर एवं तंजूर के रूप में तिब्बती धर्मग्रंथ के निर्माण का वर्णन कीजिए। उनके अंतर्गत सूचीबद्ध कुछ तिब्बती ग्रन्थों का नाम बताइए।

5. Discuss the importance of 'Silk Route' in the transmission of Buddhism from India to China.

भारत से चीन तक बौद्ध धर्म के संचरण में 'रेशम मार्ग' के महत्व की चर्चा कीजिए।

6. Discuss the spread of Buddhist Teachings during the Han period.

हान-काल में बौद्ध शिक्षाओं के प्रसार का विवेचन कीजिए।

7. Give a detailed description of the Describe briefly the stages of the establishment and development of Buddhist Samgha in China.

चीन में बौद्ध संघ की स्थापना और विकास के चरणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. Critically evaluate various legends associated with the origin and development of Buddhism in China.

चीन में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और विकास से जुड़ी विभिन्न किंवदंतियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन करें।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3650 **E**

Unique Paper Code : 12131401

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology

Name of the Course : **B.A. (Sanskrit)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

खण्ड क

निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×10=30)

Answer any **three** questions from the following :

1. अभिलेखशास्त्र का क्या अभिप्राय है? प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के पुनर्गठन में भारतीय अभिलेखों के अध्ययन का महत्त्व बताइए ।

What is meant by Abhilekhashastra? Describe the significance of Abhilekhashatra in reconstruction of ancient Indian history and culture.

2. प्राचीन भारतीय लिपियों का परिचय दीजिए ।

Describe the ancient Indian scripts.

3. सम्राट् अशोक के सारनाथ स्तंभलेख का सार बताते हुए इसका महत्त्व लिखिए।

Describe the summary of the Saranath Pillar Edict and write its importance.

4. रुद्रदामन के गिरनार अभिलेख के आधार पर रुद्रदामन की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

Illustrate Rudradaman's achievements on the basis of Rudradaman's Giranar Edict.

5. चन्द्र का महरौली स्थित लौह स्तंभ अभिलेख किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है?

How is Chandra's Iron pillar Edict important?

6. काल निर्धारण के लिए कौन कौन सी पद्धतियों और सिद्धान्तों का प्रयोग किया जाता है?

What are the various systems and theories for determining the chronology?

खण्ड ख

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर लघु टिप्पणी लिखिए : (4×5=20)

Write short notes on any **four** of the following :

1. प्राचीन भारतीय अभिलेख अध्ययन परम्परा में प्रिंसेप का योगदान

   Contribution of Princep in ancient Indian Epigraphical tradition

2. अभिलेख लेखन सामग्री

   Writing Material for the edicts

3. सम्राट् अशोक का गिरनार शिलालेख - 1

   The Girnar rock edict by King Ashoka

4. समुद्रगुप्त के एरण अभिलेख का महत्त्व

The significance of the Eran Edict of Samudragupta.

5. बीसलदेव के दिल्ली टोपरा शिलालेख की विषय वस्तु

The subject matter of the Dilli Topara Inscription

6. विक्रम संवत्

Vikram Samvat

खण्ड ग

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(i) अस्ति पि एकचा समाजा बहुमता देवानंपियस पियदसिनों राजानो पुरा महानसम्हि देवानंपियस पियदसिनो अनुदिवसं बहूनि

प्राणसतसहस्रानि आरभिसु सूपाथाय स अज यदा अयं धम्मलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सूपाथाय।

(ii) श्रीरस्य पौरुष - पराक्रम - दत्त - शुल्का

नित्यानगृहेषु मुदिता बहु - पुत्र - पौत्र -

संक्रामिणी कुल - वधू व्रतिनी निविष्टा।

(iii) तत्कारिता च राजानुरूप - कृत - विधानया तस्मिन् भेदे दृष्टया

प्रणाडया विस्तृत - सेतु..... आ गर्भात्पभृत्यविहत - समुदित -

राजलक्ष्मी - धारणागुणतस्सर्व - वर्णैरभिगम्य रक्षनार्थं पतित्वे

वृतेन आ प्रणोच्छवासात्पुरुषबध - निवृत्ति - कृत - सत्य - प्रतिज्ञयेन....

(iv) ब्रूते सम्प्रति चाहमान - तिलकः शाकम्भरी - भूपतिः

श्रीमद्विग्रहराज एष विजयीन संतानजानात्मनः ।

अस्माभिः करदं व्याधायि हिमवद्विन्ध्यांतरालं भुवः

शेष -स्वीकरणाय मास्तु भवतामुद्योग - शून्यं मनः ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें : (4×2=8)

Write short notes on any two of the following :

समाज, धर्ममहामात्र, तीर्त्वा सप्तमुखानि, सुदर्शन बांध ।

खण्ड घ

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Write short note on any one of the following in Sanskrit :

ब्राह्मीलिप्याः महत्त्वम्

(Significance of Brahmi Script)

अथवा

अभिलेखानाम् सांस्कृतिकमहत्त्वम्

(Cultural Significance of the Edicts)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4337 **E**

Unique Paper Code : 12135906

Name of the Paper : Fundamentals of Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (SANSKRIT)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – 'क' / (Part – 'A')

1. दर्शन शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए । (15)

Explain the meaning of the word *Darshan* and highlight its objectives.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों का विवेचन कीजिए ।

Describe the different schools of Indian Philosophy.

भाग – 'ख' / (Part – 'B')

2. चार्वाक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए । (15)

Describe the main principles of Charvak Philosophy.

अथवा / OR

जैनदर्शन के स्याद्वाद सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

Review the theory of *Syadvad* of Jainism.

3. सांख्यदर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। (15)

Highlight the main principles of Sankhyadarshan.

अथवा / OR

अष्टाइगयोग का सविस्तर विवेचन कीजिए।

Give a detailed explanation of the *Ashtanga Yoga*.

4. वैशेषिक दर्शन के सप्त पदार्थों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। (15)

Give a brief explanation of seven padarthas of Vaisheshik Philosophy.

अथवा / OR

अद्वैत वेदान्त के अनुसार ब्रह्म एवं माया के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Discribe the *Brahman and Maya* according to Advaita Vedanta.

भाग – 'ग' / (Part – 'C')

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7½×2=15)

Write notes on any **two** of the following :

(क) सत्कार्यवाद

(Satkaryavada)

(ख) परिणामवाद

(Parinamavada)

(ग) कर्मसिद्धान्त

(Theory of Karma)

(घ) अर्थापत्ति प्रमाण

(Arthapatti Pramana)

P 16

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3184 **E**

Unique Paper Code : 62027627

Name of the Paper : Selected Texts Related to Buddha's Basic Teachings

Name of the Course : **B.A. (CBCS Prog.) Buddhist Studies**

Semester/Annual : VI [Students admitted after the year 2019]

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75

पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. Question no. 7 is compulsory.
4. **All questions** carry equal marks

P.T.O.

5. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य हैं।

4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Critically evaluate the *Third Noble Truth* on the basis of *Dhammacakkapavattanasutta*.

धम्मचक्कपवत्तनसुत्त के आधार पर *तृतीय आर्य सत्य* का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. Defining the term *Satipaṭṭhāna* discuss the relevance of its practice in the daily life of a man.

सतिपट्ठान शब्द को परिभाषित करते हुए मानव के दैनिक जीवन में इसके अभ्यास की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

3. Enumerate the different types of friends on the basis of the *Sigalovādasutta*.

सिगलोवादसुत्त के आधार पर विभिन्न प्रकार के मित्रों का वर्णन कीजिए।

4. Enumerate the duties and rights ofa husband and wife on the basis of *Sigalovādasutta.*

सिगलोवादसुत्त के आधार पर पति एवं पत्नी के कर्तव्यों एवं अधिकारों का वर्णन कीजिए।

5. Enumerate the factors, which bring forth happiness and prosperity in man's life on the basis of *Maṅgalasutta.*

मंगलसुत्त के आधार पर उन कारकों का वर्णन कीजिए। जो मानव-जीवन में सुख और समृद्धि लाता है।

6. Describe the causes, enlisted in the *Parābhava Sutta* that lead to the downfall of a man and entangles him into the web of suffering.

पराभवसुत्त में सूचीबद्ध उन कारणों का विवेचन कीजिए जो मानव को पतन की ओर ले जाता है और उसे दुःख-जाल में बांधते हैं।

7. "Enmity never ceases by enmity." Comments on this statement in the light of the *Yamakavagga of the Dhammapada.*

''शत्रुता से शत्रुता कभी समाप्त नहीं होती।'' धम्मपद के यमकवग्ग के आलोक में इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1410 **F**

Unique Paper Code : 2022201202

Name of the Paper : Theravada Buddhist Philosophy

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies DSC-A2

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

4. उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on any **two** of the following : (30)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखें :

(a) Anicca (अनिच्च)

(b) Dukkha (दु:ख)

(c) Anatta (अनत्त)

2. What is dependent Origination? Explain in details the twelve links of dependent origination. (20)

प्रतीत्यसमुत्पाद क्या है ? प्रतीत्यसमुत्पाद के द्वादश निदान को विस्तार से समझाइए ।

3. While explaining Karma and Rebirth enumerate different types of Kamma and their retribution. (20)

कर्म और पुनर्जन्म को समझाते हुए कर्म के अलग प्रकारों और उसके विपाक का उल्लेख कीजिए ।

4. Define and Explain the concept of Nibbana and Parinibbana. (20)

निब्बान और परिनिब्बान की अवधारणा को परिभाषित कीजिए ।

5. Who is a Bodhisattva? Explain in details the Paramita, followed by the Bodhisattva. (20)

बोधिसत्व कौन है ? बोधिसत्व के द्वारा पालन की जाने वाली पारमिता को विस्तार से समझाइए ।

6. Write an essay on the Four Noble Truths. (20)

चार आर्य सत्य पर एक निबंध लिखिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1459 **F**

Unique Paper Code : 2022201201

Name of the Paper : Mahayana Buddhist Philosophy

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies DSC – A or B

Semester : II

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. **1** is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

4. उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on any **two** of the following : (30)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखें :

(a) Bodhicitta (बोधिचित्त)

(b) Yogacara (योगाचार)

(c) Paramita (पारमिता)

2. Write an essay on emergence of Mahayana Buddhism. (20)

महायान के उद्भव पर एक निबंध लिखिए।

3. Enumerate all salient features of Mahayana Buddhism. (20)

महायान बौद्ध दर्शन की सभी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. Give a detailed account of Madhyamika Philosophy of Buddhism. (20)

माधयमिक बौद्ध दर्शन का विस्तृत विवरण दीजिए।

5. Define the concept of Trikaya in Buddhism. (20)

बौद्ध दर्शन में त्रिकाय की अवधारणा को परिभाषित करें।

6. Give an account of the differences between Mahayana and Hinayana? (20)

महायान और हीनयान के बीच अंतर का विवरण दीजिए।

P 19.

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1485 **F**

Unique Paper Code : 2132201202

Name of the Paper : Sanskrit Drama – DSC-4

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate the following verses :

(क) सेनानिनादपटहस्वनशङ्खनादै-

श्चण्डानिलाहतमहोदधिनादकल्पैः ।

गाङ्गेयमूर्ध्नि पतितैरभिषेकतोयैः

सार्धं पतन्तु हृदयानि नराधिपानाम् ॥

अथवा / OR

कृतपरिकरबन्धौ चर्मनिस्त्रिंशहस्तौ

परुषितमुखरागौ स्पष्टदष्टाधरोष्ठौ ।

कृतपरिकरबन्धौ चर्मनिस्त्रिंशहस्तौ

परुषितमुखरागौ स्पष्टदष्टाधरोष्ठौ ।

(ख) विचिन्तयन्ती यमनन्यमनसा

तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम् ।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्

कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव ।।

अथवा / OR

अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन-

स्त्वय्यस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।

सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया

भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धुभिः ।।

2. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain the following verses with reference to the context :

(क) दुःशासनपरामृष्टा सम्भ्रमोत्फुल्ललोचना ।

राहुवक्त्रान्तरगता चन्द्रलेखेव शोभते ।।

अथवा / OR

दुष्टवादी गुणद्वेषी शठः स्वजननिर्दयः ।

सुयोधनो हि मां दृष्ट्वा नैव कार्यं करिष्यति' ।।

(ख) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या, पल्लवम् ।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम् ।।

अथवा / OR

भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी

दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयंनिवेश्य ।

भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं

शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन् ।।

3. दूतवाक्यम् की कथावस्तु का सार अपने शब्दों में लिखिए । (10)

(v) जनान्तिक

(vi) विष्कम्भक

(vii) प्रवेशक

(viii) नायक

6. संस्कृत नाटक को स्पष्ट करते हुए उसके इतिहास पर प्रकाश डालिए। (10)

Explaining the Sanskrit Drama throw light on its History.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की विवेचना कीजिए : (6×2=12)

Discuss any **two** of the following :

(i) महाकविकालिदास

(ii) विशाखदत्त

(iii) भवभूति

(iv) शूद्रक

20

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3954 **E**

Unique Paper Code : 12137901

Name of the Paper : Indian System of Logic and Debate

Name of the Course : **B.A. (Sanskrit), DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर लिखिए : (10×3=30)

Write answers to any **three** of the following questions :

(क) आन्वीक्षिकी का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए ।

Explain Ānvīkshikī and render its importance.

(ख) वादविधि के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए इसके प्रकारों की चर्चा कीजिए ।

Highlighting the nature of *Vādavidhi*, describe its types.

(ग) वादविद्या में अनुमान के महत्त्व को दर्शाते हुए इसकी प्रक्रिया सोदाहरण दर्शाइए ।

Demonstrating the significance of *Anumāna* in *Vādavidyā*, demonstrate its procedure with examples.

(घ) तर्क की प्रकृति एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Describe *Tarka* and its types.

(ङ) वाद में जातिसिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए तथा उसके प्रकार बताइए।

Render the concept of *Jāti Siddhānt* describe its types.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं छह पारिभाषिक संज्ञाओं को सोदाहरण समझाइए : (6×5=30)

Explain any **six** of the following technical terms with examples:

(क) उपाधि *Upādhi*

(ख) हेतु एवं इसकी आवश्यकता *Hetu* and its requirement

(ग) जल्प *Jalpa*

(घ) निग्रहस्थान *Nigrahasthāna*

(ङ) वाद *Vāda*

(च) तन्त्रयुक्ति *Tantrayukti*

(छ) प्रयोजन *Prayojana*

(ज) निर्णय *Nirnaya*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के लक्षण कथन लिखिए तथा उनका अर्थ बताइए : (3×3=9)

Write lakshana statements of any **three** of the following and explain them :

(क) वादोपाय *Vādoādya*

(ख) उपनय *Upanaya*

(ग) छल *Chala*

(घ) मतानुज्ञा *Matānujñā*

(ङ) वैजात्य *Vaijātya*

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत भाषा में टिप्पणी लिखिए : (1×6=6)

Write a note on any **one** of the following in Sanskrit language :

परिषद् *Parishad*

अथवा / Or

परीक्षा *Parīkshā*